सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 180 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 5 अगस्त, 2026
मूल्य ₹ 3/-

सफल लोग हमेशा दूसरों की मदद करने के अवसर खोजते रहते हैं। असफल लोग हमेशा पूछते रहते हैं कि, इसमें मेरे लिए क्या है?

-ब्रायन ट्रेसी

कपिल और डेल स्टेन का रिकार्ड तोड़ने से 7... 7 | दतिया में कांग्रेस की जीत से पार्टी... 3 | भाजपा मतलब भ्रष्ट जुल्मी पार्टी... 2

पंखों से सड़क... तो भरोसा किससे सुखाएंगे ?

कानपुर एक्सप्रेस वे की उधड़न को तारकोल से चिपका कर पंखे से सुखाने का वीडियो वायरल

» पंखे वाला एक्सप्रेस वे यही है नया विकास मॉडल?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यह वही महीना है जब इस देश ने सत्ता से सवाल पूछने का साहस सीखा था। 8 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो का बिगुल बजा था। वह सिर्फ अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन नहीं था बल्कि सत्ता से यह कहने का ऐलान था कि जनता को अब जवाब चाहिए।

आज 84 साल बाद फिर अगस्त है फिर सड़कें चर्चा में हैं फिर सत्ता सवालों के घेरे में है और फिर जनता पूछ रही है कि क्या विकास सिर्फ उद्घाटनों से होता है या उसकी असली परीक्षा पहली बारिश में होती है? आठ साल पहले 2018 में 4PM ने एक ऐसी खबर प्रकाशित की थी जिसने सत्ता के गलियारों में हलचल मचा दी थी। आरोप था कि जिस कंपनी के निर्माण पर सवाल उठ रहे थे उसी को एक और बड़े एक्सप्रेस वे का ठेका दे दिया गया। उस खबर पर सरकार नाराज हुयी जांच हुई बहस हुयी लेकिन समय बीत गया और फाइलें धूल फांकती रहीं।

अगस्त क्रांति हमें सवाल पूछना सिखाती है

अगस्त क्रांति हमें सिखाती है कि सवाल पूछना लोकतंत्र की ताकत है गुनाह नहीं। इसलिए आज सवाल किसी दल का नहीं व्यवस्था का है। अगर कहीं निर्माण में कमी हुई है तो जिम्मेदारी किसकी है? ठेके देने की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी थी? गुणवत्ता की निगरानी किसने की? और सबसे महत्वपूर्ण क्या जनता को हर बार वायरल वीडियो का इंतजार करना पड़ेगा तब जाकर सिस्टम जागेगा?

बीजेपी सांसद के भाई की फर्म को मिला था ठेका

कानपुर एक्सप्रेस वे को लेकर उठे विवाद ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण की गुणवत्ता ठेके देने की प्रक्रिया और जवाबदेही पर बहस छेड़ दी है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आरोपों के बाद मामला राजनीतिक रंग ले चुका है। कानपुर एक्सप्रेस वे का निर्माण आगरा स्थित पीएनसी इंफ्राटेक ने किया है। सार्वजनिक जानकारी के अनुसार कंपनी के प्रमोटर प्रदीप जैन हैं। जिनका सीधा संबंध भाजपा के राज्यसभा सांसद नवीन जैन से है। यह पहला अवसर नहीं है जब किसी बड़े सड़क परियोजना को लेकर सवाल उठे हों। वर्ष 2018 में भी हमने एक एक्सप्रेस वे परियोजना में निर्माण गुणवत्ता और ठेका प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। उस समय खबर के बाद राजनीतिक हलचल मची जांच की मांग उठी और सरकार को सफाई भी देनी पड़ी थी। अब 2026 में जब कानपुर एक्सप्रेस वे पर मरम्मत के बाद सड़क को पंखों से सुखाने का वीडियो चर्चा में है तो बहस फिर उसी मोड़ पर लौट आई है। विपक्ष इसे निर्माण गुणवत्ता का मुद्दा बता रहा है जबकि सरकार दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की बात कर रही है। लेकिन असली प्रश्न राजनीति से आगे का है। यदि किसी परियोजना में उद्घाटन के कुछ ही समय बाद मरम्मत की नौबत आती है तो जिम्मेदारी किसकी तय होगी? क्या सिर्फ ठेकेदार पर कार्रवाई पर्याप्त है या उन अधिकारियों और एजेंसियों की भी जवाबदेही तय होगी जिन्होंने निर्माण की गुणवत्ता प्रमाणित की थी?

नवीन जैन, राज्यसभा सांसद, भाजपा

22 दिन में बना राष्ट्रीय बहस का मुद्दा

उद्घाटन के समय इसे उत्तर प्रदेश के विकास की नई रफ्तार बताया गया था। दावा था कि लखनऊ और कानपुर के बीच सफर तेज़, सुरक्षित और आधुनिक होगा। लेकिन महज 22 दिन बाद ही वही एक्सप्रेस-वे अब अपनी गुणवत्ता को लेकर राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। 14 जुलाई को शुरू हुए इस एक्सप्रेस वे पर 26 जुलाई को पहली बार उन्नाव के कुशरी गांव के पास सड़क धंसने की खबर सामने आई। इसके बाद मामला एक जगह तक सीमित नहीं रहा। देखते ही देखते अलग-अलग स्थानों पर सड़क धंसने और डामर उखड़ने की घटनाएं सामने आने लगीं। अब तक आठ स्थानों पर मरम्मत की नौबत आ चुकी है।

आज वही सवाल नए रूप में लौट आया है

इस बार चर्चा कानपुर एक्सप्रेस वे की है। वही कानपुर एक्सप्रेस वे जिसकी विशालता का जिसकी क्वालिटी का और जिसकी परफारमेंस का ढिंढोरा पीटा गया था पहली बारिश में ही उसकी पालिश उतर गयी है और एक्सप्रेस वे जगह जगह से उधड़ना शुरू हो गया। खबरें मीडिया में आयी तो सरकार हरकत में आयी लेकिन सरकार के हरकत में आने में देरी हो गयी और यह खबर पूरे देश में ट्रेंड करने लगी। अब उस एक्सप्रेस वे की गिट्टी को तारकोल से चिपका कर उसे चलने योग्य बनाने के लिए पैडिस्टल फैन से सुखाया जा रहा है। सरकार की इस एक्टिविटी को सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल से शेयर किया तो पूरे देश में शोर मच गया और खबर ट्रेंड करने लगी। वीडियो में देखा जा सकता है कि सड़क की मरम्मत के बाद उसे पंखों से सुखाने की कोशिश की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव इसे साझा करते हुए तंज कसते हैं लिखा है कि अगर एक्सप्रेस वे को चलाने से पहले पंखों का सहारा लेना पड़ रहा है तो उसकी मजबूती पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकार अपनी ओर से कार्रवाई की बात करती है दोषी कंपनी के विरुद्ध कदम उठाने की जानकारी देती है। लेकिन असली सवाल वहीं खड़ा रहता है कि क्या हर बार दुर्घटना धंसाव या वायरल वीडियो के बाद ही जवाबदेही शुरू होगी? यह लड़ाई किसी एक सड़क की नहीं है। यह लड़ाई उस सोच की है जिसमें उद्घाटन की तस्वीरें सुर्खियां बन जाती हैं लेकिन गुणवत्ता की जांच अक्सर बारिश के भरोसे छोड़ दी जाती है। जनता टैक्स देती है ताकि सड़कें पीढ़ियों तक चलें न कि कुछ ह्फ्तों बाद मरम्मत की सुर्खियां बनें। विकास का मतलब सिर्फ किलोमीटर जोड़ना नहीं, भरोसा जोड़ना भी है।

भाजपा मतलब भ्रष्ट जुल्मी पार्टी : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- भाजपा राज में हर वर्ग पीड़ित है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने समाजवादी चिंतक जनेश्वर मिश्र की जयंती पर भाजपा को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने भाजपा को भ्रष्ट जुल्मी पार्टी करार दिया। यह कार्यक्रम प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित किया गया, क्योंकि जनेश्वर मिश्र पार्क में अनुमति नहीं मिली। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में हर वर्ग पीड़ित है। उन्होंने जनेश्वर मिश्र के मिशन को पूरा करने का संकल्प लिया। सपा सरकार में उनके नाम पर सबसे बड़ा पार्क बनाया गया था।

अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और ब्राह्मणों पर अत्याचार कर रही है। उन्होंने शंकराचार्य को अपमानित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा पर प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चोरी करने का महापाप करने का आरोप लगाया। चोरी पकड़े जाने पर छोटे कर्मचारियों को जेल भेजा गया, जबकि बड़े लोग शामिल थे। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की जनता विधानसभा चुनाव में राम धन की चोरी करने वालों को हरा देगी।

पुलिस लोगों पर झूठे मुकदमों लगा रही है

अखिलेश ने कहा कि लखनऊ-कानपुर की 63 किलोमीटर सड़क चार हजार करोड़ रुपये से अधिक में बनी, पर उद्घाटन के बाद ही टूट गई। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे की 90 किलोमीटर सड़क पर सात हजार करोड़ रुपये लुटा दिए गए। उन्होंने पुलिस पर झूठे मुकदमों में फंसाने और सरकारी अस्पतालों में इलाज न मिलने का आरोप लगाया। मिलावटी पेट्रोल से गाड़ियां खराब होने की बात भी कही। भाजपा सरकार द्वारा समाप्त की गई महापुरुषों की छुट्टियां फिर से लागू करने का वादा किया।

27 में भाजपा सरकार को हटाकर सपा सरकार बनाएं : माता प्रसाद

पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह ने जनेश्वर मिश्र के बताए रास्ते पर चलने को सच्ची श्रद्धांजलि बताया। नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय ने 27 में भाजपा सरकार को हटाकर सपा सरकार बनाने का आह्वान किया। सांसद सनातन पांडेय ने कहा कि लोगों का उत्साह समाजवादी सरकार बनने का संकेत दे रहा है। कार्यक्रम का संचालन पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. अभिषेक मिश्रा और मणींद्र मिश्रा ने किया। इस अवसर पर काशी के श्रीराम जानकी डमरू दल सेवा समिति के 15 बटुकों ने डमरू वादन किया।

अयोध्या सीट से पवन पांडेय लड़ेंगे विस चुनाव

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भरे मंच से दावा किया कि पवन पांडेय इस बार अयोध्या विधानसभा सीट से भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे। राजनीतिक गलियारों और विशेषज्ञों के अनुसार, चुनाव से काफी पहले ही अखिलेश यादव का खुले मंच से यह कहना सीधे तौर पर पवन पांडेय की उम्मीदवारी पर मुहर लगाने जैसा है। इसका साफ मतलब निकाला जा रहा है कि अयोध्या सीट से पवन पांडेय का टिकट अब पूरी तरह से कन्फर्म हो चुका है। पवन पांडेय 2012 में भी अयोध्या सीट से विधायक चुने जा चुके हैं और अखिलेश सरकार में मंत्री पद की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।

सनातनी परंपराओं में चढ़ावा और दान की रसीद नहीं होती है

अखिलेश ने खुद को सनातनी परंपराओं का वाहक बताने का प्रयास भी किया कि हमारी सनातनी परंपराओं में चढ़ावा और दान की रसीद नहीं होती है। भाजपाई रसीद मांग रहे हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर निशाना साधते हुए कहा कि इनके यहां एक रसीद घोटाला करने वाले डिप्टी सीएम भी हैं।

8 को राहुल प्रयागराज जरूर आएंगे : अजय राय

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष केपी ग्राउंड में अनुमति न देने पर योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आठ अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम ''छात्रों की गूंज'' के लिए अनुमति केपी ट्रस्ट द्वारा रद्द किए जाने के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आठ अगस्त को प्रयागराज आएंगे और छात्रों से संवाद करेंगे। प्रयागराज में देर शाम राय ने पत्रकारों से कहा, यह शहीदों और प्रतियोगी छात्रों की धरती है और यहां शुरू से प्रतियोगी छात्र अपना भविष्य तलाशते रहे हैं। राहुल जी आठ अगस्त को यहां आएंगे और बच्चों से संवाद करेंगे।

उन्होंने कहा, मेरा सरकार और प्रशासन से आग्रह है कि हमें वैकल्पिक जगह उपलब्ध कराए क्योंकि हम चाहते हैं कि हमारे नेता राहुल गांधी बच्चों से संवाद करें। कार्यक्रम की रसीद से स्पष्ट है कि वहां (केपी ग्राउंड) खेल खिलाया जाता है। शनिवार शाम को कॉलेज बंद रहेगा और अगले दिन रविवार है। इससे पूर्व, केपी ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष जितेंद्र नाथ चौधरी ने बताया था, केपी कॉलेज के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 14 अगस्त, 2025 को आदेश पारित किया था जिसमें केपी कॉलेज के ग्राउंड को खेलकूद एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा किसी अन्य कार्य के लिए नहीं देने को कहा गया था। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, केपी ग्राउंड में बारिश का पानी भरा हुआ है जिससे इस तरह का आयोजन जोखिम भरा हो सकता है। साथ ही कांग्रेस को अनुमति इस शर्त के साथ दी गई थी कि वह इस आयोजन के लिए जिला मजिस्ट्रेट की अनुमति प्राप्त करे लेकिन अभी तक जिला मजिस्ट्रेट की अनुमति नहीं आई है। चौधरी ने कहा कि इन कारणों से कांग्रेस को आगामी आठ अगस्त को कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति रद्द की गई है।

उल्लेखनीय है कि पेपर लीक और छात्रों के अन्य मुद्दों पर संवाद करने के लिए कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आठ अगस्त को केपी ग्राउंड में छात्रों की गूंज शीर्षक से एक संवाद कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय बुधवार को प्रयागराज आए और कार्यक्रम के सफल होने की कामना के साथ लेटे हनुमान जी का दर्शन किया।

सरकार राहुल गांधी से घबरा गई है

सरकार राहुल गांधी से घबरा गई है। राय ने कहा, जैसे संसद में राहुल गांधी के डर से प्रधानमंत्री नहीं आ रहे हैं उससे साबित हो गया है कि यह सरकार डर गई है। जिस तरह से राजस्थान के कोटा का कार्यक्रम रद्द कराया गया, देहरादून का कार्यक्रम रद्द कराया गया, उसी तरह यहां का कार्यक्रम रद्द कराया गया। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर राहुल गांधी यहां आएंगे और छात्र-छात्राओं से संवाद करेंगे।

लोकप्रिय विधायक के निधन से बहुत दुखी हूं : मायावती

» बसपा प्रमुख ने एमएलए उमा शंकर सिंह के किए अंतिम दर्शन, श्रद्धांजलि दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दिवंगत बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित आवास पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने उमाशंकर सिंह के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। उमा शंकर सिंह का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए उनके लखनऊ के विपुल खंड गोमती नगर स्थित आवास पर रखा गया है जहां दोपहर 12.00 बजे तक अंतिम दर्शन किए जा सकेंगे।

दोपहर 12 बजे के पश्चात उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक निवास खनवर, नगरा, तहसील रसड़ा, जनपद बलिया ले जाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार संपन्न होगा। विधायक उमाशंकर सिंह का बुधवार शाम दिल्ली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। वो लंबे समय से कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। वह यूपी में बसपा के अकेले विधायक थे और बसपा सुप्रीमो मायावती के भरोसेमंद नेताओं में शुमार किए जाते थे।

उमाशंकर सिंह बीमारी के बावजूद राजनीति में खासा सक्रिय थे। दो दिन पहले उन्होंने अस्पताल से फोन कर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को सपा विधायक आलम बदी के निधन पर अपनी और पार्टी की तरफ से शोक संवेदना व्यक्त की थी। उनके निधन पर मायावती ने कहा कि लोकप्रिय विधायक उमाशंकर सिंह का निधन दुखद है। उनके परिवार तथा उनके सभी चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी शोक संवेदना। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा की जितनी भी तारीफ की जाए, वह कम है। उनका पूरा परिवार बसपा परिवार की तरह है तथा उनके परिवार के सभी लोग मुझे बड़ी बहन की तरह ही पूरा आदर-सम्मान देते हैं। उनके पुत्र से लगातार सम्पर्क बने रहने के दौरान ही आज शाम उनके देहान्त की ख़बर मिली। इस दुख की घड़ी में मैं व पूरी पार्टी उनके व उनके परिवार के साथ है।

जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा तुरंत दे केंद्र : नासिर

» कांग्रेस के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष ने भी राज्य के दर्जा बहाली की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की मांग की और कहा कि अनुच्छेद 370 के विशेष प्रावधानों को निरस्त किए जाने तथा राज्य के पुनर्गठन के सात वर्ष बाद भी वहां के लोग इस वादे के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं।

पार्टी महासचिव एवं जम्मू-कश्मीर प्रभारी सैयद नासिर हुसैन ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कई बार जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन दे चुके हैं, लेकिन यह अब तक पूरा नहीं हुआ है।

पांच अगस्त लोकतंत्र का काला दिन : फारूक अब्दुल्ला

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पांच अगस्त, 2019 के दिन को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले दिनों में एक बताते हुए बुधवार को कहा कि उस दिन लिए गए निर्णयों ने जम्मू-कश्मीर से उसकी संवैधानिक गारंटी, राजनीतिक पहचान और राज्य का दर्जा छीन लिया। अब्दुल्ला ने एक बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने पांच अगस्त, 2019 के फैसलों को पहले दिन से ही नकार दिया और वे इन एकतरफा और असंवैधानिक कदमों के खिलाफ मजबूती से डटे हुए हैं। केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था।

उन्होंने कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और विधानसभा चुनाव भी संपन्न हो चुके हैं, फिर भी केंद्र शासित प्रदेश में ऐसी व्यवस्था बनी हुई है, जिसमें उपराज्यपाल के पास निर्वाचित सरकार से अधिक अधिकार हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह स्थिति संविधान की संघीय भावना और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है तथा जम्मू-कश्मीर के लोगों को अन्य राज्यों की तरह पूर्ण लोकतांत्रिक स्वशासन से वंचित करती है।

दतिया में कांग्रेस की जीत से पार्टी का बढ़ा उत्साह

2028 विधानसभा चुनाव में जीत की पनपी चाह

» संगठन, रणनीति और स्थानीय समीकरणों ने पलटा चुनाव

» भाजपा में आत्ममंथन का दौर शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। धीरे-धीरे भाजपा को मात देकर कांग्रेस पूरे देश में उसके स्थान पर अपनी धमक दिखाती जा रही है। तीन राज्यों में हुए उपचुनाव में भाजपा दो सीटों पर हार गई। सबसे बड़ी बात ये है गुजरात, बिहार व मप्र में तीनों में बीजेपी की सरकार है। गुजरात में वह जीती जरूर है पर वोट प्रतिशत घटा है।

वहीं बिहार में उसे सबसे बड़ा झटका लगा जहां उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की परंपरागत सीट उसके हाथों से जनसुराज के अध्यक्ष पीके से छीन लिया। वहीं दतिया में जिस नरोत्तम मिश्र ने टिकट न मिलने के बाद बवाल किया था वह भी भाजपा को जीत नहीं दिला सके । राज्य के इस अहम सीट पर कांग्रेस की जीत में उसकी बेहतरीन रणनीति का कमाल माना जा रहा है। विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के पीछे मजबूत संगठन, जीतू पटवारी की माइक्रो प्लानिंग, घनश्याम सिंह की स्थानीय पकड़, बूथ स्तर तक प्रभावी प्रचार और भाजपा की अंदरूनी नाराजगी व बदले जातीय समीकरण प्रमुख कारण रहे। इस जीत को 28 विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए बड़ा राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत ने प्रदेश की राजनीति में बड़ा संदेश दिया है। भाजपा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और कई दिग्गज नेताओं के साथ पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन कांग्रेस ने मजबूत संगठन, सटीक रणनीति और स्थानीय समीकरणों के दम पर जीत दर्ज कर ली। राजनीतिक जानकार इस जीत के पीछे पांच बड़े कारण मान रहे हैं। वहीं भाजपा में आत्ममंथन का दौर शुरू हो गया है।

28 के लिए बड़ा संकेत

दतिया का जनादेश केवल एक उपचुनाव का परिणाम नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे 28 विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए मनोबल बढ़ाने वाला संकेत भी माना जा रहा है। वहीं भाजपा के लिए यह संदेश है कि बड़े चेहरों के साथ-साथ मजबूत संगठन, स्थानीय नेतृत्व और बूथ स्तर की तैयारी भी जीत की सबसे बड़ी कुंजी है।

दतिया को बनाया प्रतिष्ठा का चुनाव

कांग्रेस ने दतिया उपचुनाव को प्रतिष्ठा की लड़ाई बनाया था। जीतू पटवारी मतदान तक क्षेत्र में डटे रहे। उन्होंने सिर्फ चुनावी सभाएं ही नहीं कीं, बल्कि बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय रखने, कार्यकर्ताओं में समन्वय बनाने और गुटबाजी पर नियंत्रण रखने पर भी विशेष ध्यान दिया। चुनाव के दौरान कांग्रेस संगठन एकजुट दिखाई दिया, जिसका असर नतीजों में भी देखने को मिला।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का बढ़ा सियासी कद

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत सिर्फ एक सीट तक सीमित नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व की बड़ी राजनीतिक परीक्षा में मिली सफलता के रूप में देखा जा रहा है। विजयपुर उपचुनाव के बाद दतिया में मिली जीत ने

यह संकेत दिया है कि विपक्ष में रहते हुए भी कांग्रेस चुनावी मुकाबले में भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में है। साथ ही इस परिणाम ने प्रदेश संगठन में जीतू पटवारी की पकड़ और केंद्रीय नेतृत्व के बीच उनकी स्वीकार्यता को भी मजबूती दी है। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद जीतू पटवारी लगातार पार्टी के भीतर आलोचनाओं का सामना कर रहे थे। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की सीट हाथ से निकलने के बाद उनके नेतृत्व पर सवाल उठे थे, लेकिन दतिया उपचुनाव का परिणाम उनके लिए राजनीतिक संजीवनी बनकर सामने आया है। अब माना जा रहा है कि पार्टी आलाकमान का भरोसा उन पर और मजबूत होगा।

युवा टीम ने संभाली कमान

इस चुनाव में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, वरिष्ठ नेता जयवर्धन सिंह, उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे और कांग्रेस की युवा टीम लगातार मैदान में सक्रिय रही। वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भी दतिया पहुंचकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। कांग्रेस नेताओं ने गांव-गांव पहुंचकर स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और भाजपा को घेरने की रणनीति पर काम किया।

उपचुनाव की हार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता : विजयवर्गीय

दतिया विधानसभा क्षेत्र में मिली भाजपा की हार पर नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि उपचुनाव और आम चुनाव अलग-अलग होते हैं। उपचुनाव का महत्व आम चुनाव जैसा नहीं होता, लेकिन फिर भी हार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कहां कमी रह गई, इसकी समीक्षा संगठन करेगा और हार के कारणों पर भी गंभीरता से विचार किया जाएगा। विजयवर्गीय ने कहा, हार, हार होती है और जीत, जीत होती है। भाजपा ने दतिया उपचुनाव में जीत के लिए कोई कसर नहीं

छोड़ी। कार्यकर्ता पूरी मजबूती से मैदान में डटे रहे, लेकिन जो परिणाम आया है, उस पर चिंतन करना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भी कहा है कि चुनाव परिणामों की समीक्षा की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने। इसके लिए संगठन आवश्यक कदम उठाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के गृहक्षेत्र की सीट पर जनसुराज के उम्मीदवार प्रशांत किशोर की जीत के सवाल पर विजयवर्गीय ने कहा कि वह व्यक्ति-आधारित सीट थी। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर स्वयं चुनाव नहीं लड़ रहे थे, इसलिए वहां के परिणाम अलग रहे। विजयवर्गीय ने बताया कि वे स्वयं वहां चुनाव प्रचार के लिए गए थे। भाजपा के पक्ष में माहौल भी था, लेकिन कई बार व्यक्ति-आधारित सीटों पर परिस्थितियां अलग बन जाती हैं, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित होते हैं।

मप्र कांग्रेस अध्यक्ष की उम्दा रणनीति

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पूरे चुनाव की कमान संभाली। बूथ स्तर तक जिम्मेदारियां तय कीं, लगातार क्षेत्र में डटे रहे और गुटबाजी को हावी नहीं होने दिया। इसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिला।

एकजुट कांग्रेस, साथ दिखे बड़े नेता

दिग्विजय सिंह, उमंग सिंघार, जयवर्धन सिंह, हेमंत कटारे समेत सभी बड़े नेता एक मंच पर नजर आए। टिकट को लेकर शुरुआती असंतोष को भी समय रहते संभाल लिया गया, जिससे कार्यकर्ताओं में एकजुटता का संदेश गया।

स्थानीय चेहरा और मजबूत प्रत्याशी

कांग्रेस ने आंतरिक सर्वे के आधार पर घनश्याम सिंह पर दांव लगाया। दतिया राजघराने से जुड़ाव, दो बार विधायक रहने और क्षेत्र में मजबूत पहचान का लाभ उन्हें मिला। मतदाताओं ने परिचित चेहरे पर भरोसा जताया।

भाजपा की अंदरूनी नाराजगी और बदले जातीय समीकरण का लाभ उठाया

भाजपा में टिकट को लेकर असंतोष और भीतरघात की चर्चा पूरे चुनाव में रही। वहीं, आजाद समाज पार्टी समेत तीसरे उम्मीदवारों की मौजूदगी और बदले जातीय समीकरणों ने भी मुकाबले को प्रभावित किया। विश्लेषकों के मुताबिक इसका अपेक्षाकृत ज्यादा नुकसान भाजपा को हुआ।

पूर्व विधायक ने भीतरघात और सांठगांठ का किया दावा

दतिया विधानसभा उपचुनाव की मतगणना से ठीक 24 घंटे पहले कांग्रेस से निष्कासित पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने रविवार को कई बड़े आरोप लगाया था। उन्होंने न सिर्फ पार्टी के भीतरघात की बात कही, बल्कि नए विधायक घनश्याम सिंह और भाजपा के दिग्गज डॉ. नरोत्तम मिश्रा के बीच सांठगांठ का भी दावा किया। भारती का कहना है कि दतिया की राजनीति में उनका मकसद एक व्यक्ति के दबदबे को खत्म करना था और उसमें वे सफल हुए। निष्कासन पर सवाल के जवाब में भारती ने कहा कि उन्हें बलि का बकरा बनाए जाने से

गुरेज नहीं है। 2023 में जनता ने फैसला सुना दिया था। मुझे फर्जी केस में फंसाकर अयोग्य कराया गया। लेकिन मेरी लड़ाई खत्म नहीं हुई। विधायक की कुर्सी बड़ी नहीं है, दतिया की सियासत बदलना बड़ा है। सबसे बड़ा आरोप उन्होंने नवनिर्वाचित विधायक घनश्याम सिंह पर लगाया। भारती के अनुसार, जब उन्होंने डॉ. नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ पेड न्यूज का केस चुनाव आयोग में दायर किया था, तब गवाह के तौर पर घनश्याम सिंह का नाम दिया गया था। लेकिन उन्होंने कोर्ट में बयान देने से इनकार कर दिया। आज भी वे डॉ. मिश्रा की तारीफ करते हैं। मुझे पूरा शक है कि वे उनके इशारे पर काम कर रहे हैं। यही कारण है कि वर्षों तक दतिया से दूर रहने वाले और लगातार चुनाव हारने वाले व्यक्ति को अचानक टिकट मिल गया। भारती ने सबसे चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट से राहत न मिलने पर जब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, तो उसी समय डॉ. नरोत्तम मिश्रा की टिकट कट गई थी। भारती ने कहा कि मेरे वकील के पास उनके दो वकील आए। ऑफर था कि सुप्रीम कोर्ट से स्टे दिलवा देंगे, आप सिर्फ तकनीकी आपत्ति हटवा दीजिए। उनका मकसद चुनाव टलवाना था। कहा गया कि आप ढाई साल विधायक रहिए। मैंने साफ मना कर दिया। जरूरत पड़ी तो उन वकीलों के नाम भी बताऊंगा। भारती ने कहा कि पार्टी नेताओं ने उनसे चुनाव न लड़ने की बात की थी। उन्होंने खुद भी परिवार के लिए टिकट नहीं मांगा और सुझाव दिया कि किसी ओबीसी चेहरे को मौका दिया जाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्राकृतिक विरासत को भी सहेजने की जरूरत

सरकार दावा करती है कि वह विकास के साथ विरासत को भी बचाने का काम कर रही है। पर क्या पुराने खंडहरों को बचा लेने से विरासत बच जाएगी। उनको सरंक्षित करना जरूरी है। पर हमें अपनी प्राकृतिक विरासत को भी सहेजने की जरूरत है। जिस तरह से भारत प्राकृतिक आपदाएं जैंसे बाढ़, जलसंकट वैगेरह आर रही है वेसे में हमे पुराने तालाबों, पोखरों, कुंओं , बावलियों अन्य उन सभ को संरक्षित व बचाना जरू री हैं जो हमारे जीवन के लिए लाभकारी हैं समय-समय पर यूनेस्को जैसी संस्थाएं इनको बचाने के लिए पहले करती रहती हैं। अभी हाल में राजस्थान का केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान केवल एक अभयारण्य नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव के संतुलित सह-अस्तित्व की जीवंत मिसाल है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल यह आर्द्रभूमि कभी हजारों प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गूंजती थी।

साइबेरिया से लेकर मध्य एशिया तक के दुर्लभ पक्षी हर वर्ष यहां जीवन का उत्सव मनाने आते हैं, लेकिन आज वही घना अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। जिन जलाशयों में कभी पक्षियों का कलरव सुनाई देता था, वहां अब कीचड़, मृत मछलियां और कछुए दिखाई दे रहे हैं। यह दृश्य हमारी पर्यावरणीय सोच की विफलता का आईना है। घना की सबसे बड़ी जीवनरेखा पांचना बांध से गंभीर नदी के माध्यम से मिलने वाला पानी रहा है। पिछले कई वर्षों से कभी पानी देर से पहुंचा, कभी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंचा और इस वर्ष तो अब तक पानी पहुंचा ही नहीं। परिणामस्वरूप पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर संकट गहरा गया है। पक्षियों का आगमन प्रभावित हुआ है, जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है और जैव विविधता पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है। किसी विश्व धरोहर का इस स्थिति तक पहुंच जाना हमारी नीतिगत प्राथमिकताओं पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। विडंबना यह है कि देश के अनेक बांध, तालाब, झीलें और आर्द्रभूमियां भी इसी तरह दम तोड़ रही हैं। शहरों के विस्तार, अनियोजित विकास, अंधाधुंध खनन, अतिक्रमण और जल स्रोतों के अवैज्ञानिक दोहन ने प्राकृतिक जल चक्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। पर्यावरण ही सतत विकास की सबसे मजबूत नींव है। पर्यटन भी इस विरोधाभास का हिस्सा बन गया है। प्रकृति संरक्षण के नाम पर पर्यटकों को आकर्षित करने की होड़ तो दिखाई देती है, लेकिन उन पारिस्थितिकी तंत्रों को जीवित बनाए रखने की गंभीरता नहीं दिखती, जिनके कारण पर्यटन संभव हो पाता है।

“ जिस तरह से भारत प्राकृतिक आपदाएं जैंसे बाढ़, जलसंकट वैगेरह आर रही है वेसे में हमे पुराने तालाबों, पोखरों, कुंओं , बावलियों अन्य उन सभ को संरक्षित व बचाना जरूरी हैं जो हमारे जीवन के लिए लाभकारी हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विदेश नीति पर गहन विचार मंथन का वक्त

ज्योति मल्होत्रा

प्रधानमंत्री मोदी 12-13 सितंबर को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दुनिया के कुछ सबसे ताकतवर नेताओं का स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं-इसके तहत वे न सिर्फ घरेलू स्तर पर जेन जी के विरोध-प्रदर्शनों से बढ़ा तनाव कम करने के लिए इंस्टाग्राम पर युवाओं को सीधे संबोधित करती सेल्फी रील्स पोस्ट करने, संसद में रिकॉर्ड समय में पेपर लीक विरोधी कानून पास करने या फिर प्रदर्शनकारियों पर दर्ज केस वापस लेने जैसी व्यक्तिगत कोशिशें कर रहे हैं बल्कि धारा के विपरीत खड़े होकर उन लोगों को भी नई दिल्ली बुलाने को इच्छुक हैं, जिन्हें अमेरिका ने वर्जित बना दिया है। इनमें से एक व्यक्ति हैं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन। उनके देश के खिलाफ अमेरिकी सीनेट ने पिछले हफ्ते भारी बहुमत (86-12 वोट) से 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एक्ट ऑफ 2026' पास किया है। इसके तहत, जो भी देश रूस से ऊर्जा या सैन्य उपकरण खरीदते हैं, उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है।

रशिया एक्ट में पुतिन और रूसी रक्षा उद्योग से जुड़े 20 अन्य बड़े लोगों पर भी नए प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। सर्वप्रथम, कुछ उघड़े तथ्य। चीन, भारत और तुर्किए रूसी ऊर्जा के चोटी के पांच खरीदारों में शामिल हैं। अमेरिका के साथ रक्षा तंत्र संधि के बावजूद - जिसमें जमीन, समुद्र, हवा, अंतरिक्ष और साइबरस्पेस जैसे सभी क्षेत्रों में 'आपसी तालमेल' को मजबूत करने का वादा किया गया है। भारत रूसी हथियारों का एक अहम खरीदार बना हुआ है। अमेरिकी संसद के अनुसार, 2008 से लेकर भारत के रक्षा आयात का 59 फीसदी रूस से, 12 प्रतिशत फ्रांस से, 10 फीसदी अमेरिका से और 9.5 फीसदी इस्राइल से आया है। रूसी उपकरणों में से सिर्फ दो-एस 40 मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल - ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ पलड़ा भारी करने में अहम भूमिका निभाई थी। (यह अलग बात है कि डोनाल्ड ट्रंप दावा करते हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष उनकी मध्यस्थता से रुका, लेकिन भारत इस बात से पुरजोर इनकार करता है।)

जहां तक रूसी ऊर्जा की खरीद की बात है, वास्तविक समय में वैश्विक डेटा और विश्लेषण मुहैया करवाने वाली कंपनी 'कप्लेर' का कहना है कि मार्च-जून 2026 के दौरान रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीद 20 लाख बैरल प्रति दिन से अधिक रही और अब यह 30 लाख बैरल प्रति दिन तक पहुंचने

की राह पर है। (इस अवधि में, भारत ने रूस से 244.89 मिलियन बैरल, यूएई से 58.57 मिलियन बैरल और सऊदी अरब से 57.62 मिलियन बैरल तेल खरीदा।) इसका अर्थ है कि भारत की वर्तमान ऊर्जा आपूर्ति का 50 फीसदी भाग रूस से पूरा होता है, जो बहुत बड़ी बात है। साफ है कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने और अमेरिका-ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे तनाव के कारण लाल सागर में भी तनाव कम न होने की वजह से, भारत को सस्ता रूसी तेल फिर से खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ऐसा तब हो रहा है जब भारत पहले यह वादा कर चुका है कि आसन्न अमेरिकी टैरिफ के खतरे के मद्देनजर वह इस निर्भरता को खत्म कर देगा। सवाल यह है कि क्या हाल ही में पास हुए 'रूस एक्ट' के तहत अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए भारत इस सारे फायदे को छोड़ देगा? साफ है, इसका जवाब 'नहीं' है। गरीबी और बेरोजगारी जैसी बुराइयों को दूर रखने और अर्थव्यवस्था को सुचारु चलाते रहने के लिए भारत को सस्ते रूसी कच्चे तेल की जरूरत है। यह समझने के लिए किसी विशेषज्ञता की जरूरत नहीं कि जेन जी (नई पीढ़ी) के विरोध प्रदर्शन सिर्फ नीट पेपर लीक की वजह से नहीं हुए, बल्कि बढ़ती कीमतों व नौकरियों की कमी को लेकर तेजी से बढ़ती निराशा की वजह से भी हुए हैं। विदेश नीति और राष्ट्रीय हित पर मौजूदा विमर्श के साथ समस्या यह है कि असल में कोई विमर्श हो ही नहीं रहा। दिल्ली के नीति-नियंता वर्ग में आलोचना को लेकर दो चीजों पर अहंकारपूर्ण रवैया है - पहली, राज्यों से आने वाली राय को बहुत 'संकुचित' या 'प्रांतीय' माना जाता है- साफ है कि हम बृहद परिदृश्य को ठीक से नहीं समझ पा रहे हैं।

तो इसलिए चाहे पंजाब और गुजरात से अमेरिका गए अवैध प्रवासियों को जंजीरों में जकड़कर वापस भेजने का दर्द हो; या केंद्र का करतारपुर साहिब कॉरिडोर न खोलने का फैसला; या म्यांमार के सैनिकों का सीमा पार करके मिजोरम में पनाह लेना; या सिक्किम की चीन के साथ सीमापारीय व्यापार शुरू करने की ज़रूरत; या फिर नेपाल की तराई के साथ 'रोटी-बेटी' का रिश्ता जारी न रह पाने पर बिहार की नाराजगी हो- भारत के राज्यों और उनके पड़ोस से जुड़े ये सभी मुद्दे अहम तो माने जाते हैं, लेकिन इतने भी नहीं कि विदेश नीति पर असर डाल सकें।

अपने भीतर उम्मीद की किरण तलाश करें

अंतरा पटेल

खुशी स्वास्थ्य व लंबी आयु की भविष्यवाणी करती है। खुशी सामाजिक प्रगति व सार्वजनिक नीतियों की सफलता मापने का पैमाना है। लेकिन वे चीजें क्या हैं, जो हमें खुशी प्रदान करती हैं? बिहेवियरल वैज्ञानिक इस बात का लंबे समय से अध्ययन कर रहे हैं। लेकिन खुशी ऐसी चीज नहीं है, जिसे आप स्वयं हासिल कर लेती हैं। आपको अपने व्यवहार, आसपास की चीजों और अपने संबंधों में छोटे-छोटे परिवर्तन करने पड़ते हैं, जिन्हें करने में हर कोई सक्षम है, ताकि आप प्रसन्न जीवन के मार्ग पर निकल पड़ें। खुशी अक्सर भीतर से आती है। इसलिए नकारात्मक विचारों को नियंत्रित करना और हर दिन आशावाद से शुरू करना सीखें। सकारात्मक की बजाय खराब अनुभवों पर विचार करते रहना मानव प्रवृत्ति है, जो क्रमविकास से आई है और इससे हमें जिंदगीभर खतरनाक व दिल दुखाने वाली स्थितियों से बचने में मदद मिलती है तथा संकट में त्वरित प्रतिक्रिया करने में भी सहायता मिलती है।

लेकिन इसका अर्थ यह है कि दिमाग को नकारात्मक ख्यालों को नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षित करने में आपको थोड़ा अधिक परिश्रम करना होगा। इस प्रकार से— नकारात्मक ख्यालों को रोकें नहीं। जब आप स्वयं से कहती हैं, मुझे यह सोचना बंद करना होगा', तो इस बारे में आप और अधिक सोचती हैं। अपनी चिंताओं को स्वीकार करें। जब आप नकारात्मक चक्र में होती हैं तो स्वीकार करें— मुझे पैसे की चिंता है', मुझे दफ्तर के काम की फिक्र है।' खुद से दोस्त की तरह व्यवहार करें। जब आप नकारात्मक महसूस कर रही हों तो सोचें कि आपकी जैसी स्थिति में आपका कोई दोस्त होता तो आप उसे क्या सलाह देतीं। उस सलाह को अपने ऊपर आजमाएं। अपने नकारात्मक विचारों को चुनौती दें। शोध बताते हैं कि यह तरीका डिप्रेशन के लक्षणों को कम कर देता है। लक्ष्य आपको नकारात्मक मानसिकता से निकालकर अधिक सकारात्मकता की ओर ले जाना है।

आशावाद कुछ जेनेटिक होता है और कुछ सीखा जाता है। अगर आप उदास व्यक्तियों के परिवार में भी जन्मी हैं, तो भी अपने अंदर की उम्मीद की किरण तलाश सकती हैं। आशावाद का अर्थ खराब स्थिति के सत्य को नजरअंदाज करना नहीं है। मसलन, नौकरी छूटने के बाद बहुत से लोग हार मानकर यह सोचते हैं, मैं इससे कभी उभर नहीं पाऊंगा।' एक आशावादी व्यक्ति अधिक उम्मीद से चुनौती को स्वीकार करेगा और कहेगा, यह कठिन है, लेकिन मेरे लिए जीवन के लक्ष्यों को पुन: सोचने का अवसर भी है और मैं वह काम तलाश सकता हूं, जो मुझे वास्तव में खुशी प्रदान करता है।' सकारात्मक सोचना और अपने आपको सकारात्मक लोगों से घिरे रखना वास्तव में लाभकारी है। निराशावाद की तरह आशावाद की भी लत लग जाती है। इसलिए आशावादी लोगों के साथ रहने का लक्ष्य बना लें। आप जहां रहती हैं— देश, शहर, पड़ोस और आपका घर— सभी आपकी संपूर्ण खुशी को प्रभावित करते हैं। एक सीढ़ी की कल्पना कीजिए, जिसमें नीचे शून्य से लेकर ऊपर दस तक पायदान हैं। सीढ़ी का सबसे ऊपरी पायदान संभावित सर्वश्रेष्ठ जीवन का प्रतिनिधित्व करता है और निचला पायदान सबसे खराब जीवन का। इस समय आप व्यक्तिगत तौर पर अपने को किस पायदान पर खड़ा महसूस कर रही हैं?

दुनियाभर में खुशी को मापने व तुलना करने के लिए इसी खुशी की सीढ़ी का प्रयोग किया जाता है। इस शोध को सार्वजनिक नीति गठित करने के लिए प्रयोग किया जाता है, लेकिन इससे व्यक्तिगत स्तर पर भी सबक लिया जा सकता है। पूर्ति व संतोष प्रदान करने वाला जॉब तलाशें; प्रसन्न जगह पर रहने का प्रयास करें; सामाजिक सहयोग से अपने को घेर लें; अपनी सेहत का ख्याल रखें; और (स्पिरिट, समय व पैसे में) उदार व दानी रहें, ताकि अपने लिए खुशी का मार्ग प्रशस्त कर सकें। प्रकृति में समय गुजारें। शांत, पेड़ों से घिरी राहों पर चहलकदमी करने से मानसिक स्वास्थ्य में अर्थपूर्ण सुधार आता है। हद तो यह है कि प्रकृति की तस्वीरें देखने से भी मूड बेहतर हो जाता है। संगठित होना निस्संदेह मन व शरीर, दोनों के लिए अच्छा है। अत्यधिक फालतू चीजों का होना और असंगठित रहना अक्सर बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का लक्षण बनते हैं। स्वच्छ वातावरण में रहें, फालतू चीजों को बाहर निकालें, लेकिन जो चीजें आपको खुश रखती हैं, उन्हें बचाए रखें। खुशी की संभावनाएं बेडरूम में बढ़ जाती हैं। यह वह जगह है, जहां हम सोते हैं और खामोशी में विचार करते हैं। ये सभी गतिविधियां हमारी खुशी को बेहतर करती हैं।

इसलिए बेडरूम जीवन पर ध्यान केंद्रित कीजिए। ब्रिटिश शोधकर्ताओं के अनुसार खुशी व स्वास्थ्य के सबसे सशक्त इंडेक्स नींद हैं। अगर आपकी लिविंग स्पेस आपकी खुशी को प्रभावित कर रही है, तो अपने बेडरूम को उच्च प्राथमिकता दें। आराम में निवेश करें। आरामदायक चादर, तकिए व बेडिंग खरीदें। जब हम लोगों से जुड़ते हैं, उनसे संपर्क करते हैं, तो अधिक खुश होते हैं। हमारी अपनी खुशी दूसरों की खुशी से जुड़ी हुई है, खासकर उनसे, जिनसे आप जुड़ी हुई हैं। जब हम खुश दोस्तों व परिवार के सदस्यों के करीब रहते हैं, तो हमारी खुशी बढ़ जाती है। जानवर पालना भी खुशी बढ़ा देता है। पैसा जरूरी है, लेकिन वह आपको खुश रखे, यह जरूरी नहीं। हां, अर्थपूर्ण कार्य और थोड़ा अतिरिक्त समय आपको खुश रखेगा। कार्य में उद्देश्य तलाशें। दूसरों के प्रति दया व्यक्त करना खुशी के मार्ग पर चलने का साबितशुदा तरीका है, लेकिन अपने आप पर दया करना न भूलें।

बॉडी डिटॉक्स के लिए गर्मियों में रोज करें ये तीन योगाभ्यास

गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ जाता है। बढ़ती गर्मी और धूप में अक्सर हमार पाचन तंत्र सुस्त और कमजोर हो जाती है। गर्मियों में अत्यधिक पसीने और हाइड्रेशन की कमी के कारण शरीर में टॉक्सिन्स होने लगते हैं, जिससे थकान, सुस्ती और पेट संबंधी समस्याएं आम हो जाती हैं। योग विशेषज्ञों के अनुसार इस मौसम में शरीर को अंदर से ठंडा रखने और ऊर्जावान बनाने के लिए आप रोज कुछ योगाभ्यास कर सकते हैं। योग के माध्यम से ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है, जो लिवर और किडनी जैसे अंगों को बेहतर ढंग से काम करने में मदद करता है। अगर आप भी इस मौसम में खुद को फ्रेश और हल्का महसूस कराना चाहते हैं, कुछ खास योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं। इन योग का अभ्यास न सिर्फ शरीर को डिटॉक्स करते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी आपको सुकून महसूस कराते हैं।

अर्ध मत्स्येंद्रासन

यह ट्विस्टिंग आसन हमारे आंतरिक अंगों के लिए एक नेचुरल मालिश की तरह काम करता है। रीढ़ की हड्डी को मोड़ने से लिवर और किडनी में ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है, जिससे शरीर की गंदगी साफ होती है। यह आसन शरीर के शुगर लेवल को नियंत्रित करने और वजन घटाने में भी सहायक होता है।

शीतली प्राणायाम

गर्मियों के लिए यह सबसे खास प्राणायाम है, जो शरीर के तापमान को तुरंत कम करने की क्षमता रखता है। जीभ को गोल मोड़कर गहरी सांस लेने से हवा ठंडी होकर फेफड़ों तक पहुंचती है। यह न सिर्फ प्यास बुझाता है, बल्कि हाई बीपी और मानसिक तनाव को कम कर शरीर को नेचुरल रूप से डिटॉक्स करने में मदद करता है। गर्मियों में यह शरीर के भीतर जमा अतिरिक्त गर्मी को बाहर निकालने में मदद करता है।

सही डाइट का तालमेल

गर्मियों में योगासन के साथ सही हाइड्रेशन और हल्के भोजन का तालमेल भी जरूरी है। योग अभ्यास के बाद पर्याप्त पानी, नारियल पानी या नींबू पानी का सेवन डिटॉक्स प्रक्रिया को तेज कर देता है। गर्मी के मौसम इन तीन हर व्यक्ति को इन तीन योगासनों का अभ्यास जरूर करना चाहिए। इससे आपका शरीर तपती गर्मी के बावजूद अंदर से ठंडा, हल्का और पूरी तरह स्वस्थ बना रहेगा।

त्रिकोणासन

यह आसन शरीर के टॉक्सिन्स को बाहर निकालने के लिए सबसे बेहतरीन योग है क्योंकि यह पेट के अंगों को एक्टिव रखता है। त्रिकोणासन के नियमित अभ्यास से पाचन शक्ति बढ़ती है और कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती हैं। गर्मियों में जब भूख कम लगती है, तब यह आसन मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर शरीर को सक्रिय बनाए रखता है। इस योग रोज सुबह खाली पेट करना सबसे अधिक फायदेमंद माना जाता है।

हंसना मना है

पापा- बेटी, बड़ी हो के क्या करोगी? बेटी- शादी... पापा- गलत बात है... अभी से किसी का बुरा नहीं सोचते...!

प्रेमिका ने प्रेमी से कहा- अपनी शादी के लिए तुम मां से मिलकर देखो, प्रेमी बोला- नहीं डियर! अब तुम्हारे सिवाए कोई दूसरी मेरे मन में नहीं बस सकती।

साली: अच्छा जीजू एक बात बताओ... ससुराल में दामाद का इतना सम्मान क्यों होता है? जीजा: क्योंकि वे लोग जानते हैं कि यही वो महान आदमी हैं जिसने हमारे घर का तूफान संभाल रखा है...

एक खूबसूरत लड़की बस स्टैंड पर खड़ी थी... एक नौजवान बोला- चांद तो रात में निकलता हैं, आज दिन में कैसे निकल आया? लड़की बोली- अरे उल्लू तो रात को बोलता था, आज दिन में कैसे बोल रहा है...

एक महिला ने नाटक में झगड़ालू पत्नी का सफल अभिनय किया... लोगों ने उसे बहुत पसंद किया, नाटक के बाद एक पत्रकार ने उससे पूछा- पहली बार में आपके सफलतम अभिनय का रहस्य क्या है? महिला बोली- इसमें कोई खास बात नहीं... मंच पर अपने कलाकार साथी के साथ बोलते समय मैंने मन में यही सोच लिया था वास्तव में अपने पति से बात कर रही हूं...

कहानी — ऊंट की गर्दन

बीरबल की सूझबूझ और हाजिर जवाबी से बादशाह अकबर बहुत रहते थे। बीरबल किसी भी समस्या का हल चुटकियों में निकाल देते थे। एक दिन बीरबल की चतुराई से खुश होकर बादशाह अकबर ने उन्हें इनाम देने की घोषणा कर दी। काफी समय बीत गया और बादशाह इस घोषणा के बारे में भूल गए। उधर बीरबल इनाम के इंतजार में कब से बैठे थे। बीरबल इस उलझन में थे कि वो बादशाह अकबर को इनाम की बात कैसे याद दिलाएं। एक शाम बादशाह अकबर यमुना नदी के किनारे सैर का आनंद उठा रहे थे कि उन्हें वहां एक ऊंट घूमता हुआ दिखाई दिया। ऊंट की गर्दन देख राजा ने बीरबल से पूछा, बीरबल, क्या तुम जानते हो कि ऊंट की गर्दन मुड़ी हुई क्यों होती है? बादशाह अकबर का सवाल सुनते ही बीरबल को उन्हें इनाम की बात याद दिलाने का मौका मिल गया। बीरबल से झट से उत्तर दिया, महाराज, दरअसल यह ऊंट किसी से किया हुआ अपना वादा भूल गया था, तब से इसकी गर्दन ऐसी ही है। बीरबल ने आगे कहा, लोगों का यह मानना है कि जो भी व्यक्ति अपना किया हुआ वादा भूल जाता है, उसकी गर्दन इसी तरह मुड़ जाती है। बीरबल की बात सुनकर बादशाह हैरान हो गए और उन्हें बीरबल से किया हुआ अपना वादा याद आ गया। उन्होंने बीरबल से जल्दी महल चलने को कहा। महल पहुंचते ही बादशाह अकबर ने बीरबल को इनाम दिया और उससे पूछा, मेरी गर्दन ऊंट की तरह तो नहीं हो जाएगी न बीरबल ने मुस्कुराकर जवाब दिया, नहीं महाराज। यह सुनकर बादशाह और बीरबल दोनों ठहाके लगाकर हंस दिए। इस तरह बीरबल ने बादशाह को नाराज किए बगैर उन्हें अपना किया हुआ वादा याद दिलाया और अपना इनाम लिया।

7 अंतर खोजें

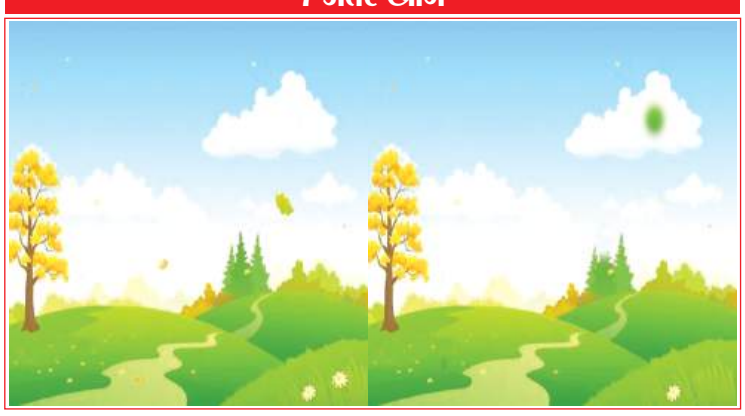

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क

घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह

प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला

उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। भाग्य का साथ मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु

अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ

रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन

क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

संजय लीला भंसाली के साथ काम करने को तैयार हुई करीना कपूर!

संजय लीला भंसाली जैसे दिग्गज डायरेक्टर के साथ काम करने का सपना हर एक कलाकार का होता है। हालांकि करीना कपूर खान जैसी दिग्गज एक्ट्रेस ने सालों पहले संजय के साथ कभी काम ना करने की कसम खाई थी। लेकिन, अब लगता है कि वो अपनी कसम तोड़ने जा रही है। दरअसल रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि संजय ने एक फिल्म के लिए करीना को अप्रोच किया है। इसमें तमिल सिनेमा के स्टार धनुष लीड रोल में नजर आएंगे।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक संजय लीला भंसाली ने धनुष की मुख्य भूमिका वाली फिल्म के लिए करीना कपूर से संपर्क किया है। दोनों के बीच एक फिल्म को लेकर बातचीत चल रही है। अगर सब कुछ ठीक रहता है तो ये पहला मौका होगा जब संजय और करीना पहली बार साथ काम करेंगे। इसके अलावा फिल्म के जरिए पहली बार धनुष और करीना की जोड़ी भी बनेगी। हालांकि अभी करीना फिल्म को लेकर किसी नतीजे पर नहीं पहुंची हैं। फिल्म को लेकर अभी कोई खास जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन, बताया जा रहा है कि ये पौराणिक कथाओं से संबंधित होगी और कहानी एक हाथी के इर्द-गिर्द घूमेगी। जहां भंसाली इस फिल्म के लिए बतौर प्रोड्यूसर काम करेंगे तो वहीं इसके डायरेक्शन की बागडोर पी। एस। मिथुन संभालेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी शूटिंग जनवरी 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। बता दें कि भंसाली अपनी साल 2002 की हिट फिल्म देवदास के लिए पहले करीना को लेना चाहते थे। उन्होंने एक्ट्रेस का स्क्रीन टेस्ट भी लिया था, लेकिन बाद में उन्होंने ऐश्वर्या राय बच्चन को कास्ट कर लिया था। इस बात से करीना बेहद नाराज हो गई थीं और उन्होंने संजय के साथ कभी काम ना करने की कसम खा ली थी।

करीना ने फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में कहा था, मैं कभी उनके साथ काम नहीं करूंगी। देवदास के लिए मेरा स्क्रीन टेस्ट लिया गया, साइनिंग एमाउंट भी दिया गया और फिर उन्होंने किसी और को साइन कर लिया। मेरे साथ उन्होंने गलत किया था। आगे उन्होंने कहा था, चाहे मेरे पास कभी कोई काम न रहे, लेकिन मैं उनके साथ कभी काम नहीं करूंगी।

इमरान हाशमी की आवारापन 2 में मेकर्स को करने होंगे नौ बदलाव

साल 2007 में रिलीज हुई फिल्म 'आवारापन' का अगला पार्ट 'आवारापन 2' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगा। इस फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन यानी सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। सेंसर ने इसे यू/ए 16 प्लस सर्टिफिकेट दिया है। साथ ही मेकर्स को फिल्म में नौ बदलाव करने के निर्देश दिए हैं।

सेंसर बोर्ड ने थिएटर रिलीज से पहले 'आवारापन' के मेकर्स को फिल्म में नौ बदलाव करने के जरूरी निर्देश दिए हैं। इन बदलावों में फिल्म में हिंसा के दृश्यों को कम का निर्देश सबसे पहले दिया गया है। इसके अलावा

मेकर्स को फिल्म में अपशब्दों को भी म्यूट करना होगा। इसके अलावा सेंसर बोर्ड ने कहा है कि ड्रग्स और स्मोकिंग के खिलाफ और बच्चों की तस्करी के बारे में डिस्क्लेमर भी जोड़ना होगा। यह फिल्म 16 और उससे कम उम्र के बच्चे माता-पिता की देखरेख में ही देख सकेंगे। सेंसर बोर्ड जो बदलाव सुझाए हैं, उसके बाद फिल्म की लंबाई में बदलाव आया है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म का फाइनल रनटाइम अब 140 मिनट 20 सेकंड है। इसे इंग्लिश सबटाइटल के साथ हिंदी में रिलीज किया जाएगा।

फिल्म 'आवारापन 2' में इमरान हाशमी, दिशा पाटनी, शबाना आजमी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को नितिन कक्कड़ ने निर्देशित किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

बॉलीवुड | अनाउंसमेंट

फिल्म 'हेरा फेरी 3' में हुई अहमद खान की इंट्री

अहमद खान की फिल्म वेलकम टू द जंगल को अच्छा रिस्पॉन्स मिला। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल तीनों नजर आए थे। तीनों एक्टर्स को फिल्म हेरा फेरी 3 में देखने के लिए फैंस एक्साइटेड हैं। फिल्म की अनाउंसमेंट भी हुई। हालांकि, फिर फिल्म विवादों में घिर गई और फिल्म पोस्टपोन भी हो गई। अक्षय ने खुद कहा कि फिल्म को लेकर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिल्म को प्रियदर्शन डायरेक्ट करने वाले थे। अब खबरें हैं कि अहमद खान ने वेलकम टू द जंगल के बाद हेरा फेरी 3 को डायरेक्ट करने को लेकर रिएक्ट किया है। अहमद खान ने कहा, उस फिल्म को डायरेक्ट करना एक ऐसा स्पॉट है जो हर कोई करना चाहता है। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, परेश रावल, फिरोज नाडियाडवाला और हेरा फेरी एक फैमिली की तरह है। मेरे लिए मैं उस सिनेमा का पार्ट हूं। तो जब भी फिल्म बनेगी, मैं उसका हिस्सा बनने वाला हूं। भले ही मैं डायरेक्ट करूं या नहीं। हम सब मिलकर उसे बनाएंगे। इसके अलावा अहमद खान ने कहा, मैंने उन तीनों के साथ काम किया है। मैं अपने करियर की शुरुआत अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के साथ की। जब ये तीनों मेरी फिल्म में होते हैं तो मैं उन्हें राजू, श्याम और बाबू राव के तौर पर नहीं देखता। ये तीनों उस वक्त मेरी फिल्म के कैरेक्टर्स होते हैं। तीनों की टाइमिंग अभी भी सेम है। कई बार मुझे इसे ब्रेक करना होता है। मेरे साथ उन्हें लेकर सिर्फ एक ये ही लड़ाई होती है। बता दें कि फिल्म कई बार विवादों में घिरी। फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर भी विवाद हुआ। वहीं खबरें आई थीं कि परेश रावल ने फिल्म को बीच में ही छोड़ दिया है। इसके बाद ये भी खबरें आईं कि अक्षय कुमार के प्रोडक्शन हाउस ने उन्हें 25 करोड़ का नोटिस भेजा। इसके बाद परेश के दोबारा फिल्म में एंट्री की रिपोर्ट्स भी आई।

दुनिया रहस्यमयी शहर, जहां 44 सालों से नहीं रहता कोई इंसान, फिर भी हर रात जलायी जाती है स्ट्रीट लाइट

ओटावा। दुनियाभर में कई ऐसे छोटे शहर और गांव हैं, जहां अब कोई नहीं रहता है। वीरान होने की वजह से इन जगहों को भूतिया शहर का दर्जा मिल जाता है। जब भी कोई ऐसी जगहों के बारे में बात करता है, तो दिमाग में टूटती-फूटती इमारतें, धूल से सने फर्श और घास-फूस से घिरी जगह की तस्वीर उभरती है। लेकिन कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया के समंदर किनारे एक ऐसा रहस्यमयी शहर मौजूद है, जो इस सोच को झुठला देता है। हम बात कर रहे हैं कितसॉल्ट की, जहां पिछले 44 सालों से कोई नहीं रहता है। लेकिन इस शहर में चमचमाते मकान, शॉपिंग सेंटर, बैंक, रेस्टोरेंट, अस्पताल और थिएटर सब कुछ मौजूद है। सड़कें एकदम चकाचक हैं, गार्डन की घास कटी हुई है और रात होते ही पूरे शहर की स?कों पर स्ट्रीट लाइटें अपने आप जगमगाने लगती हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब यहां कोई रहता नहीं, तो ये लाइटें रात में आखिर कैसे घरों और सड़कों को रौशन करती हैं? इसका जवाब देने से पहले हम आपको इस शहर के इतिहास के बारे में बता देते हैं। दरअसल, अमेरिका की एक बड़ी माइनिंग कंपनी ने मोलिब्डेनम नाम की एक धातु के खनन के लिए जंगलों और पहाड़ों के बीच 1979 में इस हाई-टेक शहर को रातों-रात बसाया था। मोलिब्डेनम का इस्तेमाल लोहे और स्टील को मजबूत व जंग-रोधी बनाने के लिए किया जाता है। इसे बसाने के लिए उस दौर में पानी की तरह पैसा बहाया गया। 100 से ज्यादा मकान, 7 बड़े अपार्टमेंट, अस्पताल, स्विमिंग पूल, लाइब्रेरी, केबल टीवी नेटवर्क और सीवेज सिस्टम बनाया गया था। पूरे उत्तर अमेरिका से इंजीनियर और मजदूर भारी सैलरी के लालच में यहां आकर बसे और देखते ही देखते 1,200 से अधिक लोगों से यह शहर गुलजार हो गया था। लेकिन इसकी रौनक ज्यादा दिनों तक कायम नहीं रह सकीं। पहला परिवार बसने के महज 18 महीने बाद ही मंदी के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में मोलिब्डेनम की कीमतें अचानक नीचे गिर गईं। घाटा इतना बढ़ गया कि खदानों को रातों-रात बंद करना पड़ा। काम बंद होते ही यहां रहने वाले लोग धीरे-धीरे शहर छोड़कर चले गए और साल 1982 तक यह पूरा का पूरा शहर खाली हो गया। जिस शहर को बनाने में करोड़ों रुपए खर्च किए गए थे, वह देखते ही देखते वीरान हो गया। इसके बाद साल 2005 में भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति कृष्णन सुथंतिरन की नजर इस खाली पड़े शहर पर पड़ी। उन्होंने इसे लगभग 58 करोड़ रुपये खरीद लिया। तब से लेकर अब तक वे इस शहर की देखभाल पर लगभग 200 करोड़ से अधिक खर्च कर चुके हैं। उन्होंने इस शहर को साफ-सुथरा और नया बनाए रखने के एक टीम तैनात कर रखी है। यह टीम रोजाना यहां की सड़कों की सफाई करती है, घास काटती है और मकानों के रख-रखाव का ध्यान रखती है। कृष्णन सुथंतिरन का प्लान इस रहस्यमयी शहर को आने वाले समय में लिक्विफाइड नेचुरल गैस उद्योग का एक बड़ा केंद्र बनाकर दोबारा जिंदा करने का है।

अजब-गजब | इस समुद्र के चारों तरफ बिखरे हैं शीशे ही शीशे

धूप पड़ते ही हीरों की तरह जगमगाता है ये जादुई समुद्र तट

स्को। दुनियाभर में एक से बढ़कर एक समुद्र तट हैं, जिनमें से कोई अपनी सफेद रेत के लिए तो कोई नीले पानी के लिए जाना जाता है। लेकिन रूस में एक ऐसा बीच है, जिसकी चमक आंखों को चौंधिया देती है। रूस के व्लादिवोस्तोक शहर से महज 30 मिनट की दूरी पर स्थित उसूरी खाड़ी का तट आज दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक अद्भुत आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस जादुई बीच को स्थानीय रूप से स्टेकल्याश्का या ग्लास बीच के नाम से जाना जाता है। यहां रेत दिखाई ही नहीं देती। चारों ओर सिर्फ रंग-बिरंगे शीशे फैले हैं। पहली नजर में देखने पर ऐसा लगता है, जैसे किसी ने किनारे पर करोड़ों कीमती और रंग-बिरंगे नगीने बिखेर दिए हों, लेकिन इसके पीछे की कहानी प्रकृति की अद्भुत कारीगरी का एक अनोखा उदाहरण है।

सोवियत काल के दौरान इस तटीय क्षेत्र का इस्तेमाल एक डंपिंग यार्ड की तरह किया जाता था। पास की एक चीनी मिट्टी और कांच की फैक्ट्री बेकार कांच की बोतलों और चीनी मिट्टी के बर्तनों को यहीं फेंक देती थी। तो एक अन्य मान्यता के अनुसार, कांच के इस कचरे को नदियों द्वारा बहाकर समुद्र में लाया गया था। ऐसे में दशकों तक इस कचरे के कारण यह तट बेहद खतरनाक माना जाता था और लोग यहां जाने से कतराते थे। हालांकि, समय के साथ कुदरत ने अपना काम शुरू किया। प्रशांत

महासागर की तूफानी लहरों, तेज हवाओं और पानी के थपेड़ों ने दशकों तक कांच के इन नुकीले टुकड़ों को आपस में रगड़ा और तराशा। लहरों के इस निरंतर प्रभाव से कांच के तीखे कोने घिसकर पूरी तरह से चिकने, गोल और हानिरहित पत्थरों में बदल गए। धूप खिलने पर ये कांच के टुकड़े मोमबत्ती और रंग-बिरंगे हीरों की तरह जगमगाते हैं।

वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का मानना है कि प्रकृति की यह छंटाई और सफाई प्रक्रिया एक जीवंत प्रमाण है। ऐसा ही एक और प्रसिद्ध उदाहरण अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित फोर्ट ब्रैग के मैककेरिचर स्टेट पार्क में भी देखने को मिलता है, जहां 20वीं सदी के मध्य में प्रशांत महासागर की लहरों ने तटीय इलाके को खूबसूरत 'सी-ग्लास बीच' में बदल दिया था। एक्सपर्ट की मानें तो उसूरी खाड़ी का यह अनूठा दृश्य सदा के लिए नहीं रहेगा। आने वाले दशकों में महासागर की लहरें इन कांच के टुकड़ों को इतना घिस देंगी कि ये पूरी तरह से साधारण रेत के कणों में तब्दील हो जाएंगे। दुनिया भर से लाखों पर्यटक इस जादुई नजारे को अपनी आंखों से देखने और इस प्राकृतिक अजूबे को महसूस करने के लिए रूस के इस अनोखे बीच पर पहुंचते हैं।

डांगावास हत्याकांड : आरोपियों के बरी होने पर राजस्थान में घमासान

» राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री ने अभियोजन की गंभीर खामियों पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नागौर के डांगावास हत्याकांड में अदालत द्वारा सभी 40 आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई और सीबीआई जांच के बाद भी पीड़ितों को इंसाफ न मिलना जांच व अभियोजन की गंभीर खामियों को दर्शाता है। गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए सरकार को ऊपरी अदालत में अपील की प्रक्रिया मजबूती से आगे बढ़नी चाहिए। साल15 में इस हत्याकांड में जमीन विवाद को लेकर पांच दलितों की हत्या कर दी गई थी।

गहलोत ने एक बयान में कहा, नागौर के डांगावास हत्याकांड में 11 साल बाद आया फैसला बेहद चिंताजनक है। 15 में जमीन विवाद में पांच दलितों समेत छह लोगों की निर्मम हत्या हुई थी और अब एससी-एसटी विशेष अदालत ने सभी 40 आरोपियों को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया। पीड़ित परिवारों का सवाल जायज है, अगर 40 आरोपी बरी हो गए तो इन छह लोगों की हत्या आखिर किसने की? पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, 11 साल की लंबी कानूनी लड़ाई, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच और सुनवाई के बावजूद इंसाफ नहीं मिलना जांच और अभियोजन की गंभीर खामियों की ओर इशारा करता है।'' इस आयोग की रिपोर्ट मिलने के बाद पंचायती एवं नगरीय निकायों में ओबीसी आरक्षण के लिए आरक्षण लॉटरी निकाली जाएगी। ओबीसी आरक्षण के लिए वार्डों का निर्धारण आयोग की सिफारिशों के आधार पर किया जाएगा। राज्य सरकार अगले कुछ दिनों में आरक्षण के लिए लॉटरी निकालने की तैयारी कर रही है। राज्य चुनाव आयोग आरक्षण-लॉटरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्थानीय निकाय चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा करेगा। आयोग ने राजस्थान उच्च न्यायालय को इस संभावित समय-सीमा के बारे में सूचित किया था। उल्लेखनीय है कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने नगरपालिका और पंचायत चुनाव कराने में देरी पर नाराजगी जताई थी और ओबीसी आयोग को पांच अगस्त तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था।

ओबीसी कमीशन ने निकाय आरक्षण की रिपोर्ट सौंपी

राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग ने पंचायती एवं नगरीय निकायों में ओबीसी आरक्षण के संबंध में अपना प्रतिवेदन सरकार को सौंप दिया है। इससे राजस्थान में आगामी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों के लिए एक बड़ी बाधा दूर हो गई है। राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग के अध्यक्ष मदनलाल भाटी और उसके सदस्यों ने बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर उन्हें अपना प्रतिवेदन सौंपा।

अरोपियों को बरी किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण : गहलोत

भाजपा न्याय के पक्ष में नहीं

उन्होंने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर भी निशाना साधा। गहलोत ने कहा, भाजपा सरकार के शासन में 11 साल पहले ऐसी घटना होना और अब उन्हीं के शासन में प्रतिकूल फैसला आना दिखाता है कि भाजपा न्याय के पक्ष में नहीं है। दलित समाज के साथ हुए इस अन्याय में जवाबदेही तय होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा दलित समाज के सम्मान और अधिकारों के लिए खड़ी रही है। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की प्रक्रिया मजबूती से आगे बढ़नी चाहिए, राज्य सरकार को इसमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

विस चुनाव में मान के खिलाफ मैदान में उतरना चाहता हूं : वड़िंग

» सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ चुनाव लड़ने से किया इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा है कि अगर वह अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ते हैं तो वह राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहेंगे। वड़िंग ने फरीदकोट में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में पार्टी के एक नेता के उस सुझाव को खारिज कर दिया कि उन्हें शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि अकाली नेता पहले ही अधिक सक्रिय नहीं हैं। लुधियाना से सांसद वड़िंग ने कहा कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा, इसका फैसला पार्टी आलाकमान करेगा लेकिन अगर उन्हें चुनाव मैदान में उतरने के लिए कहा गया तो वह मुख्यमंत्री का मुकाबला करना चाहेंगे।

वड़िंग ने कहा, मैं मान के खिलाफ चुनाव लड़ूंगा...। वड़िंग इससे पहले मुक्तसर जिले की गिद्दड़बाहा विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। मान वर्तमान में संगरूर जिले की धुरी विधानसभा सीट से विधायक हैं।वड़िंग की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से वर्तमान सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के एक वर्ग ने उन्हें कांग्रेस की पंजाब इकाई का अध्यक्ष बनाए रखने के आलाकमान के फैसले का विरोध करते हुए पद से हटाने की मांग की है। वड़िंग ने बुधवार को मोगा में एक अन्य कार्यक्रम 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' में लोगों से मान सरकार को सत्ता से उखाड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मान पंजाब के अब तक के सबसे खराब मुख्यमंत्री साबित हुए हैं। वड़िंग ने राज्य में कानून-व्यवस्था की कथित रूप से बिगड़ती स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, गैंगस्टर संस्कृति और अराजकता चरम पर है तथा नशे की समस्या ने भयावह रूप ले लिया है।

कपिल और डेल स्टेन का रिकार्ड तोड़ने से 7 विकेट दूर हैं स्टार्क

» कपिल देव और डेल स्टेन जैसे खिलाड़ियों के साथ नाम जुड़ना सम्मान की बात है: मिचेल स्टार्क

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के पास बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बड़ा कीर्तिमान अपने नाम करने का मौका होगा। स्टार्क अगर इस सीरीज में सात विकेट लेने में सफल रहते हैं तो वह टेस्ट क्रिकेट में भारत के महान ऑलराउंडर कपिल देव और दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन को विकेटों के मामले में पीछे छोड़ देंगे। स्टार्क ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में 433 विकेट लिए हैं।

वहीं, कपिल देव के नाम 434 और डेल स्टेन के खाते में 439 टेस्ट विकेट दर्ज हैं। ऐसे में सात विकेट हासिल करते ही स्टार्क दोनों दिग्गजों से आगे निकल जाएंगे। हालांकि, स्टार्क का कहना है कि उनके लिए व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की सफलता मायने रखती है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया का मुख्य लक्ष्य अगले साल ओवल में होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अधिक से अधिक अंक जुटाना है। स्टार्क ने आईसीसी से कहा, इसका मतलब है कि मैंने काफी क्रिकेट खेला है। कपिल देव और डेल स्टेन जैसे महान खिलाड़ियों के साथ मेरा नाम जुड़ना सम्मान और विनम्रता की बात है। लेकिन जब आप मैदान पर खेल रहे होते हैं, तब व्यक्तिगत रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखते। आप इतना आगे की नहीं सोचते। 36 वर्षीय स्टार्क ने अपनी लंबी और सफल क्रिकेट यात्रा का श्रेय लगातार खुद में सुधार, फिटनेस पर काम और खेल के अनुरूप रणनीतियों में बदलाव को दिया। उन्होंने कहा, जब आप 36 साल के होते हैं और 16 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे होते हैं, तो आप महसूस करते हैं कि आपने अपने खेल में काफी सुधार किया है। लंबे समय तक टिके रहने के लिए लगातार सीखना, खुद को विकसित करना और बेहतर बनते रहना जरूरी है।

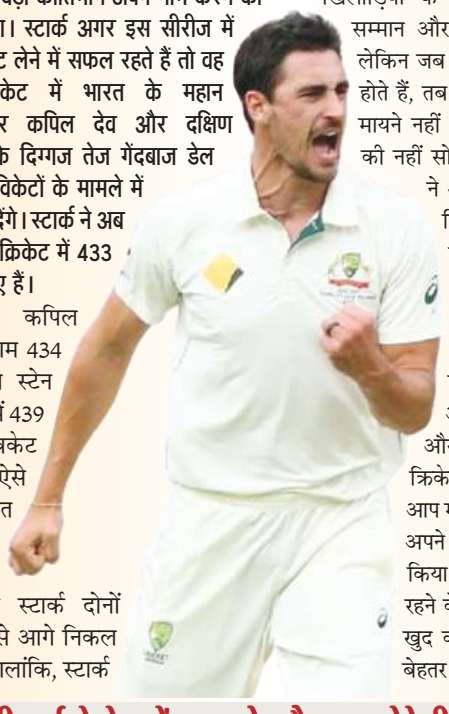

बीसीसीआई ने नेट गेंदबाज के तौर पर जोड़े टीम से 4 खिलाड़ी

कोलंबो। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों की मदद के लिए हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, विपराज निगम और कलाई के स्पिनर शिवांग कुमार को बतौर नेट गेंदबाज टीम से जोड़ा गया है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम मंगलवार को श्रीलंका पहुंच गई थी। बीसीसीआई ने बुधवार को एक आधिकारिक अपडेट में कहा, हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियन और विपराज निगम श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट की तैयारी में टीम की मदद करने के लिए नेट गेंदबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल हुए हैं। इन चारों खिलाड़ियों के मुख्य टीम या प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की संभावना कम ही है, लेकिन यह अनुभव उनके लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक बड़ा मौका है।

राज्य की सुरक्षा के साथ हो रहा खिलवाड़

» परमाणु ऊर्जा संयंत्र के प्रस्ताव का बीजद ने किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा में विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) ने परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की कथित कोशिश का विरोध करते हुए राज्य में भाजपा की सरकार पर कॉरपोरेट हितों के लिए लोगों की सुरक्षा से समझौता करने का आरोप लगाया है। बीजद का यह विरोध एक निजी कंपनी के प्रतिनिधि की ओडिशा के उप मुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव से मुलाकात के कुछ दिनों बाद सामने आया है। सिंह देव ऊर्जा विभाग के प्रभारी भी हैं।

बीजद की वरिष्ठ महासचिव लेखाश्री सामंतसिंहर ने दावा किया कि ओडिशा में परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने से लोगों की सेहत और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि 'डबल-इंजन सरकार' का झुकाव निजी कंपनियों की तरफ है और इसी वजह से उसने ओडिशा के लोगों की सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। बीजद नेता के मुताबिक, एक निजी कंपनी ने ओडिशा में 3,000 मेगावाट का परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा, जब भी परमाणु ऊर्जा की बात आती है तो लोगों के मन में स्वाभाविक रूप से डर पैदा होता है।

हुक्का व कैफे पूरे शहर में, एक्शन कुछ ही जगह

» विभूति खंड पर छापा, बाकी थानों की कब बारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के पॉश इलाके विभूतिखंड स्थित किसान बाजार के फैशन टीवी कैफे में चल रहे अवैध हुक्का बार का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। देर रात की गई छापेमारी में पुलिस ने कैफे से दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया, जबकि संचालक शारिब शेख मौके से फरार हो गया। थाना विभूतिखंड पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कैफे में उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों की खुलेआम अवहेलना करते हुए अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा है, जिसमें कम उम्र के युवाओं को भी हुक्का उपलब्ध कराया जा रहा था। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय और डॉ. इरशाद अहमद की टीम ने कैफे की घेराबंदी कर छापेमारी की।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 8 बड़े हुक्के , 6 छोटे हुहुक्के, 13 हुक्के पाइप, 14 चिलम, 2 हीटर तथा जलते कोयले और फ्लेवर बरामद किए। मौके से राबिन और अर्जित पाण्डेय को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर्मचारियों ने बताया कि वे कैफे मालिक आरिफ और संचालक शारिब शेख के निर्देश पर ग्राहकों को हुक्के परोसते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ तंबाकू उत्पाद प्रतिषेध अधिनियम, 2003 की धारा 4/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या इसी तरह राजधानी के सभी थाना क्षेत्रों में संचालित हुक्के पार्लरों और कैफे के खिलाफ भी अभियान चलाया जाएगा, या फिर नई पीढ़ी को खुलेआम हुक्के परोसा जाता रहेगा? पूर्व में शहर के कई थाना क्षेत्रों में हुक्के पार्लरों से जुड़े गोलीकांड और मारपीट जैसी गंभीर घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

संसद में हंगामा जारी, विपक्ष अपनी मांग पर डटा

» एफसीआरए पर सत्ता पक्ष व विपक्ष में नहीं बनी सहमति

» राज्यसभा की कार्यवाही जारी, लोकसभा स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज संसद के मानसून सत्र का 14वां दिन है। पिछले 13 दिनों के दौरान सरकार और विपक्षी दलों के बीच गतिरोध जारी रहा। विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही लगातार बाधित होती रही है। राज्यसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू हो गई है। इससे पहले सुबह 11 बजे शुरू होने के आधे घंटे की चर्चा के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। राज्यसभा में फिलहाल, विपक्ष के हंगामे के बीच प्रश्नकाल के तहत सवाल-जवाब जारी है।

लोकसभा ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा बारिश के बीच संसद परिसर में अपनी गाड़ी का इंतजार करते दिखे। हालांकि, इस दौरान उन्होंने मीडिया के किसी सवालों का जवाब नहीं दिया।

संसद के मॉनसून सत्र में फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 26 (एफसीआए बिल) को लेकर केंद्र सरकार और विपक्षी दलों के बीच आम सहमति न बनने के कारण गतिरोध जारी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को संसद में इस बिल को पेश किए जाने की संभावना बेहद कम है। सरकार और विपक्ष के बीच अन्य मुद्दों के साथ-साथ इस संशोधन की शर्तों को लेकर गहरा मतभेद बना हुआ है। विपक्ष अपनी इस मांग पर अड़ा है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में नीट प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई के बारे में लोकसभा में बयान दें। उधर इन मुद्दों को लेकर दोनो सदनों में हंगामा जारी रहा। बाद लोक सभा को 2 बजे तक व रास को 12 बजे तक स्थगित कर दिया गया।

विपक्ष ने केंद्र सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्ष ने 20 जुलाई को सीजेपी प्रदर्शनकारियों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई और अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी व गबन के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। समाजवादी पार्टी के सांसदों ने चंदा चोर, गद्दी छोड़ लिखे पोस्टर दिखाए, जबकि अन्य विपक्षी सांसदों ने अमित शाह जवाब दो के पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि राम मंदिर में कथित चोरी का मुद्दा उठाने का मतलब भगवान राम का विरोध करना नहीं है। वहीं केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस, सपा और सीपीआई पर भगवान राम विरोधी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन दलों ने पहले भी राम मंदिर निर्माण का विरोध किया था और अब संसद में इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

इतना कठोर बिल पास नहीं होने देंगे : वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पत्रकारों से कहा, यह सोच कि आरएसएस कुछ भी कर सकता है जबकि दूसरे एनजीओं नहीं, स्वीकार्य नहीं है। हम इसका कड़ा विरोध करेंगे। हम उन्हें इतना कठोर बिल पास नहीं करने देंगे।

मेटा का माफी मांगना भारत के कानून, संविधान और संसद की जीत : दुबे

भाजपा सांसद और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने कहा कि मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक वीडियो हटाए जाने के मामले में माफी मांगना भारत के कानून, संविधान और संसद की जीत है। उन्होंने कहा कि भारत में कारोबार करने वाली हर कंपनी को भारतीय कानून का पालन करना होगा। दुबे का यह बयान उस बैठक के बाद आया, जिसमें मेटा के प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की।

एफसीआरए एक्ट सरकार का तर्क

एफसीआरए एक्ट यह बताता है कि भारतीय नागरिक, गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), ट्रस्ट, एसोसिएशन और कंपनियां भारत के बाहर से भेजे गए पैसे, सिक्योरिटी या सामान को कैसे प्राप्त और इस्तेमाल कर सकती हैं। यह विदेशी फंडिंग वाली उन चुनिंदा गतिविधियों पर रोक लगाता है जो भारत की संप्रभुता, सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था पर असर डाल सकती हैं। सरकार ने एक बयान में कहा कि संशोधन में रजिस्ट्रेशन खत्म होने या रद्द होने पर विदेशी फंडिंग वाली संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक तय अथॉरिटी बनाने का प्रस्ताव है। नोटिफाइड अमेंडमेंट रूल्स रजिस्ट्रेशन को खास उद्देश्यों और मंजूर राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से जोड़ते हैं, और धर्म परिवर्तन को मंजूर धार्मिक गतिविधियों में शामिल नहीं करते हैं।

एनजीओ की कीमत पर सरकार की शक्तियां बढ़ेंगी : विपक्ष

हालांकि, विपक्षी नेताओं का तर्क है कि प्रस्तावित संशोधन एनजीओ की कीमत पर सरकार की शक्तियों को बढ़ा सकता है, जिससे उसे उनकी संपत्तियों को ज़ब्त करने या उनका निपटान करने का अधिकार मिल सकता है। उनका कहना है कि संशोधन ह्वह्व और ऐसे अन्य संगठनों को सरकार के सामने कमज़ोर बना सकता है और विदेशी चंदे पर निर्भर शैक्षणिक, धर्मार्थ और धार्मिक संस्थानों पर भी बहुत ज्यादा असर डाल सकता है।

चावल से एथनॉल उत्पादन में हजारों लीटर पानी की खपतः जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश में ई20 ईंधन को जल्दबाजी में लागू कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भारत में एथनॉल का उत्पादन मुख्यतः गन्ना, धान और मक्का जैसी अधिक पानी खपत वाली फसलों से हो रहा है। रमेश के अनुसार गन्ने से एक लीटर एथनॉल में 3,6300 लीटर और चावल से 107900 लीटर पानी लगता है, जिससे गिरते भूजल स्तर के बीच चिंता बढ़ रही है। जल्दबाजी में लागू किया जा रहा है और इसके जल संसाधनों तथा खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों की अनदेखी की जा रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि ई20 ईंधन के पर्यावरणीय प्रभाव का समग्र आकलन तभी संभव है, जब इसके जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले असर को भी ध्यान में रखा जाए।

बरसात का वार, बेहाल सरकारें, बेबस शहर

शहरों में जलभराव गांवों में गिर रहे घर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बारिश इस देश के लिए कभी खुशियों का मौसम कही जाती थी। खेतों की हरियाली नदियों का संगीत और मिट्टी की खुशबू कभी मानसून की पहचान हुआ करती थी। लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। अब बादल बरसते नहीं डराते हैं। हर काली घटा के साथ किसी गांव का घर ढहने की आशंका बलवती हो जाती है किसी शहर के डूबने का भय सामने खड़ा हो जाता है और किसी परिवार की जिंदगी मलबे में दब जाने का खतरा मंडराने लगता है।

बीती दरम्यानी रात उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में पुराना मकान भरभराकर गिर गया और एक ही कमरे में सो रहा पूरा परिवार कुछ ही सेकंड में मलबे के नीचे दब गया। सुबह जब लोग जागे तो एक घर नहीं छह अर्थियां उनका इंतजार कर रही थीं। दो मासूम बच्चे उनके माता पिता दादा दादी पूरा परिवार खत्म हो गया। केवल एक युवक बचा जो अपने ही घर के मलबे से निकलकर मदद के लिए चीखता रहा।

यह केवल एक हादसा नहीं था बल्कि उन हजारों जर्जर मकानों कमजोर बुनियादी ढांचों और हर साल दोहराई जाने वाली चेतावनियों की कहानी भी है जिन पर समय रहते ध्यान नहीं दिया जाता। उधर असम में बाढ़ ने हजारों लोगों को घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। सड़कें टूट चुकी हैं खेत डूब चुके हैं और परिवार राहत शिविरों में जीवन काटने को विवश हैं। नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन ने संपर्क तोड़ा दिया है जबकि पश्चिम बंगाल में आकाशीय बिजली ने चार लोगों की जान ले ली। मौसम विभाग दक्षिण भारत के कई जिलों में अगले दौर की भारी बारिश की चेतावनी दे रहा है। यानी संकट अभी टला नहीं है बल्कि आगे बढ़ रहा है।

झूठे तेरे वादे झूठी तेरी तैयारियां

हर साल मानसून से पहले बैठकों का दौर चलता है। आपदा प्रबंधन की तैयारियों के दावे किए जाते हैं। राहत सामग्री का खाका बनाया जाता है। लेकिन जब बारिश अपने पूरे वेग से आती है तो सबसे पहले उन्हीं दावों की परतें बहने लगती हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिन इलाकों में हर वर्ष बाढ़ आती है जहां जर्जर इमारतें वर्षों से खड़ी हैं और जहां जलभराव स्थायी समस्या बन चुका है वहां स्थायी समाधान अब तक क्यों नहीं बन पाए? इस प्रश्न का उत्तर केवल मौसम के खाते में नहीं डाला जा सकता। बारिश प्राकृतिक है लेकिन हर त्रासदी केवल प्राकृतिक नहीं होती। कई बार जानें पानी नहीं तैयारी की कमी लेती है। यही वजह है कि इस मानसून ने एक बार फिर देश के सामने केवल मौसम का नहीं बल्कि व्यवस्था योजना और जवाबदेही का भी प्रश्न खड़ा कर दिया है।

असम में पानी नहीं जिंदगी बह रही है

पूर्वोत्तर में हालात बद से बदतर है। असम के कई इलाकों में बाढ़ ने गांवों का नक्शा बदल दिया है। जिन घरों में कल तक चूल्हा जलता था वहां आज नावें चल रही हैं। खेत पानी में समा गए हैं मवेशी बह गए हैं और हजारों परिवार राहत शिविरों में नई सुबह का इंतजार कर रहे हैं। बच्चे स्कूल नहीं तिरपाल के नीचे दिन गुजार रहे हैं। जिन हाथों में किताबें होनी चाहिए थीं वह अब पीने के पानी और राशन की कतार में खड़े हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत और पुनर्वास का भरोसा दिया है लेकिन जिन परिवारों ने अपना घर खो दिया उनके लिए सबसे बड़ा सवाल यही है कि वह सामान्य जीवन में कब लौट पाएंगे।

अतीक अहमद के बेटे आबान समेत दो की हादसे में मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। दिवंगत अतीक अहमद के छोटे बेटे आबान अहमद (19) की बृहस्पतिवार तड़के झांसी-कानपुर हाईवे पर सड़क हादसे में मौत हो गई। वह झांसी जेल में बंद अपने भाई अली से मिलने प्रयागराज से झांसी आ रहा था। हादसे में कार सवार चार अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

» जेल में बंद भाई अली से मिलने आ रहे थे झांसी

पुलिस ने सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 1०. 3० बजे तेज रफ्तार क्रेटा कार झांसी-कानपुर हाईवे पर प्रयागराज से झांसी की ओर आ रही थी। पूछ थाना क्षेत्र के खिल्ली गांव के पास अचानक एक जानवर सड़क पर आ गया। उसे बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में आगे की सीट पर बैठे आबान अहमद के सिर में गंभीर चोट आई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार सवार अहजम निवासी बादशाही मंडी (प्रयागराज), मोहम्मद जैद निवासी कोतवाली, उमर अहमद निवासी पूरा मुफ्ती और सोनू घायल हो गए। सभी प्रयागराज के रहने वाले हैं।

यौन उत्पीड़न मामले में तरुण तेजपाल को 10 साल की कैद

» बॉम्बे हाईकोर्ट ने बरी करने का फैसला रद्द कर दोषी करार दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। वर्ष 2013 के चर्चित यौन उत्पीड़न मामले में पूर्व तहलका संपादक तरुण तेजपाल को बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा उन्हें बरी किए जाने के फैसले को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने तेजपाल को दुष्कर्म और महिला की मर्यादा भंग करने का दोषी ठहराया है। उन्हे 1० साल की कैद हुई है।

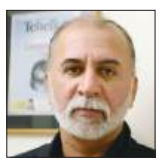

मामला 13 में एक महिला सहकर्मी के साथ कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ा है, जिसने देशभर में काफी चर्चा बटोरी थी। मामले में न्यायमूर्ति नीला गोखले और न्यायमूर्ति अमित जामसंडेकर की पीठ ने तेजपाल को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376(2)(एफ) (विश्वास या अधिकार की स्थिति का दुरुपयोग कर दुष्कर्म), 354(ए) (यौन उत्पीड़न) और 354(बी) (महिला के कपड़े उतारने की नीयत से हमला या बल प्रयोग) के तहत दोषी ठहराया है।

सजा पर सुनवाई के दौरान तेजपाल के वकील ने अदालत से नरमी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि तरुण तेजपाल राजनीतिक कारणों से निशाना बनाए गए हैं और वह दो बेटियों के पिता हैं। वकील ने इन आधारों पर अदालत से सजा तय करते समय राहत देने का अनुरोध किया। फिलहाल हाईकोर्ट ने दोषसिद्धि का फैसला सुनाया है। ते जपाल से अपनी उम्र का हवाला भी दिया था।

मेरे सोशल मीडिया अकाउंट को रिस्ट्रिक्ट कर दिया गया: केजरीवाल

» मेटा पर आप संयोजक ने भी लगाए आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक वीडियो को लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय तथा टेक दिग्गज मेटा (मेटा) के बीच छिड़े विवाद के बीच आम आदमी पार्टी-आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कंपनी पर बड़ा आरोप लगाया है।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने गुरुवार को दावा किया कि मेटा ने भारत में उनके सोशल मीडिया अकाउंट को रिस्ट्रिक्ट (सीमित) कर दिया है। केजरीवाल का कहना है कि

बार-बार संपर्क करने के बावजूद मेटा की ओर से कोई स्पष्ट कारण या जवाब नहीं दिया जा रहा है। उनके ये आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो हटाए जाने को लेकर मेटा और केंद्र सरकार के बीच चल रहे विवाद के दौरान सामने आए हैं।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स (पहले ट्विटर) पर मेटा इंडिया को टैग करते हुए अपने रिस्ट्रिक्टेड अकाउंट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। उन्होंने मेटा की सेवाओं को काफी खराब बताया और सोशल मीडिया कंपनी से कहा कि वह पीएम मोदी और उनकी सरकार के सामने झुके नहीं। हालांकि, केजरीवाल ने यह नहीं बताया कि उनका कौन सा अकाउंट - - रिस्ट्रिक्ट किया गया है। उन्होंने कहा,आपने मेरा अकाउंट क्यों रिस्ट्रिक्ट किया है? आपके भारत ऑफिस में पूछने पर पता चला कि मेरा अकाउंट भारत में रिस्ट्रिक्ट कर दिया गया है और भारत में उपलब्ध नहीं है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा